




## **INSTITUTIONAL DISTINCTIVENESS DUE TO TEACHERS**

The Sai Shrishti Jankalyan Sansthan (SSJS), Durg C.G. is a NGO (Registration No. 27253) practising philanthropy towards impoverished patients' care, relatives of impoverished patients, Divyangjans, lonely elderly care and destitute care. The Durg District Govt. Hospital has a tie-up with SSJS and houses the head office of SSJS in its premises. At present, *SSJS on daily basis provide absolutely free of cost three times meals to about 330 needy persons in Durg and Rajnandgaon districts.* SSJS not only provides onsite food to needy persons but also facilitate tiffin supply to lonely elderly persons in their respective residences.

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' PG College, Durg C.G. is in collaboration with SSJS since its inception on 13<sup>th</sup> July 2013. Colleges' eight senior teaching staff members namely, Dr. DC Agrawal (Prof. & Head, Dept. of Economics), Dr. Amita Sehgal (Prof. & Head, Dept. of Home Science), Dr. Aarti Gupta (Prof. & Head, Dept. of Chemistry), Dr. Richa Thakur (Prof. & Head, Dept. of Dance), Dr. Sadhna Parekh (Asst. Prof. & Head, Dept. of English), Dr. Anuja Chauhan (Asst. Prof. & Head, Dept. of Maths), Dr. Yesheshwari Dhruv (Asst. Prof. & Head, Dept. of Hindi), Dr. Shashi Kashyap (Asst. Prof., Dept. of Commerce) are active members of SSJS since 2013-14 and extensively participate and contribute towards providing financial, material and physical help magnanimously to SSJS.

The philanthropic efforts of Colleges' Teaching Staff in association with SSJS towards service to mankind are much laudable and hence qualify as Institutional Distinctiveness as per Colleges' belief.



  
**Dr. Sushil Chandra Tiwari**  
Principal  
**PRINCIPAL**  
Govt. Dr. W.W. Patankar  
Girls' PG. College, Durg (C.G.)



# साई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

## LETTER OF APPRECIATION

With the blessings of Shri Shirdi Sai Baba, the management of Sai Shrishti Jankalyan Sansthan is greatly pleased to acknowledge the philanthropy of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College, Durg, Chhattisgarh. The management of Sai Shrishti Jankalyan Sansthan gratefully acknowledges the Teaching Staff of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College for their regular generous contributions made to us since past five years. The charity extended by these gentle souls in cash and kind has tremendously helped Sai Shrishti Jankalyan Sansthan in its motto of providing continuous impartial service towards deprived patients' family care, elderly care, Divyangjan care and destitute care. The patronage for humanity of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College and its Teaching Staff is much appreciated.

Blessings of Shri Shirdi Sai Baba shall be showered endlessly.

PRESIDENT

Sai Shrishti Jankalyan Sansthan  
Govt. District Hospital Campus  
Durg – 491001, Chhattisgarh

*Sai Shrishti Jankalyan Sansthan is a non-profit charity organization involved in free of cost care and feeding of deprived patients' family, elderly, Divyangjan and destitute. At present, Sai Shrishti Jankalyan Sansthan provides free of cost food and clothing to nearly 350 impoverished people in Durg and Rajnandgaon districts of Chhattisgarh.*

प्रधान कार्यालय – 263, दिल्ली कॉम्प्लेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० डी० सी० श्रवणवाल, प्राध्यापक  
शास्त्र० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्ना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 02/11/2013

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्ली कॉम्प्लेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परपेकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० श्रुमिता शहगल, प्राध्यापक  
शास्त्र० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या श्ना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक ०२/०२/२०१५

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्ली कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० श्वरती गुप्ता, प्राध्यापक  
शास्त्रो डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्ना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥

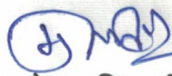
शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 05/06/2014

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्लीन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisorishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परिपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० कुरुजा चौहान, ररहा० प्राध्यापक  
शाशरु० डॉ० वारु वारु पाटणकर कन्या ररुना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सदगुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सदगुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 13/12/2014

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्लीन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : sairishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० ऋचा ठाकुर, प्राध्यापक  
शास्त्र डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्ना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक 03/06/2018

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्लीन कॉम्प्लेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : sairishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० शाधना पारेख, शाहा० प्राध्यापक  
शाशा० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या शाशा० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 12/05/2015

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्ली कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)





# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परिपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० यशेश्वरी ध्रुव, रूहा० प्राध्यापक  
शास्त्र० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या रूना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥

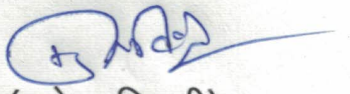
शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सदगुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सदगुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक 20/09/2014

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्लीन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)



# साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परिपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० शशि कश्यप, स्नात० प्राध्यापक  
शास्त्र० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्नात० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

॥ ॐ साईं राम ॥


शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरु साईंनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिएगा।

आपकी उदारता से श्री साईं महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरुषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्गुरु साईंनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्ज्वल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 23/06/2016

  
(मुकेश तिवारी)  
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय - 263, दिल्लीन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री साईं महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

...moments. Easter is the day when  
Christians.

# SSJS providing free meals in Distt Hospital since '13

■ Staff Reporter  
DURG, Apr 14

SAI Srishti Jankalyan Sanstha (SSJS) has been providing free meals to people visiting the Government district hospital from Durg and its adjoining villages since the year 2013.

Free meals have been served to over 3 lakh people so far and the Sai Srishti Jankalyan Sanstha, apart from providing free meals, is also providing breakfast and *Sai Sutha* (tea) to the relatives of the patients admitted in the Government district hospital.

Chief Founder members of SSJS, Mukesh Tiwari informed that after witnessing people cooking on 'Chulha' in the hospital premises, he thought of starting the organisation. He recounts



Samiti members providing free meals in district hospital.

that when he started the facility, initially merely five people were served free meals. He said that with the grace of Sai Baba, he has been able to work for well-

fare of people. He specially mentioned that another Sai Devotee, professor DC Agrawal has also contributed significantly in the entire process.



## सेवा को समर्पित संस्थान : श्री साईं महाप्रसादालय परोपकार से सरोकार : साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान

18 जुलाई 2013 को साईं बाबा के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय परिसर दुर्ग में श्री साईं सृष्टि जन कल्याण संस्थान ने सीमित हाथों एवं सीमित संसाधनों से एक छोटे रूप में प्रसादालय का प्रारंभ किया। मानव सेवा के उद्देश्य के लिए जब पहला चूल्हा साईं बाबा के नाम से जला तब केवल 5 लोगों ने भोजन किया था।

प्रसादालय के प्रमुख संस्थापक मुकेश तिवारी ने बताया कि यह प्रसादालय जिला चिकित्सालय में गांवों से आने वाले गरीब भरीजों के परिजनों को दोनों समय निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के साथ प्रारंभ हुआ। 6 वर्षों के सफर में लगभग 3 लाख लोग अबतक निःशुल्क भोजन ग्रहण कर चुके हैं, बिना एक भी दिन विराम के यह प्रसादालय वर्तमान में रोज 100 से अधिक परिजनों को दोनों समय का सात्विक भोजन एवं प्रतिदिन नास्ता तथा साईं सुधा (सात्विक चाय) उपलब्ध करा रहा है।

जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती मरीज के गरीब परिजनों की एक अहम जरूरत भोजन की व्यवस्था का संकल्प मुकेश तिवारी के मनोमस्तिस्क में तब आया, जब उन्होंने 6 वर्ष पहले यहां लोगों को ईटों के चूल्हे बनाकर लकड़ी के धुंसे से जूझते हुए रुखा सुखा भोजन बनाते हुए देखा। वह दिन है और आज का दिन है, जब इस परिसर में अब केवल एक ही चूल्हा जलता है और वो भी साईं बाबा का।

यह संस्थान अपनी सेवाएँ के विस्तार के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। दुर्ग के समीप राजनांदगांव जिले में भी निर्बाध रूप पिछले 500 दिनों से यह सेवा बिना किसी स्थानीय सहायता के चली जा रही है। इतना ही नहीं विगत 1 वर्ष से एक समाजसेवी द्वारा प्रदत्त साईं रथ के माध्यम से शहर में निःशुल्क एवं जरूरतमंदों को उनके स्थान पर जाकर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुकेश तिवारी ने संस्थान की वित्तीय व्यवस्था के बारे में बताया कि सबकुछ बाबा की कृपा से होता है, किन्तु बाबा के प्रिय भक्त प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने संस्थान के वित्तीय प्रबंध को संभालने एवं सुदृढ़ करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

पिछले लगातार 5 वर्षों से प्रोफेसर अग्रवाल अपने तन मन धन से जरूरतमंदों के सहयोग के लिए संस्थान से जुड़े हैं, वो न केवल अपना सहयोग देते हैं, बल्कि अपने नजदीकी रिश्तेदारों, मित्रों, कॉलेज के प्राध्यापकों, अपने मोहल्ले के नागरिकों, दुर्ग अग्रवाल समाज एवं कई समाजसेवियों को इस संस्थान के आर्थिक सहयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे संस्थान को आर्थिक मदद लगातार प्राप्त हो रही है।

प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने इस संस्थान से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि ऐसे सेवा कार्यों के लिए अनेक सहारों की जरूरत होती है। खुशी होती है जब कोई सब्जी विक्रेता निःशुल्क सब्जियां, कोई गैस सिलेंडर, कोई समाजसेवी संस्थान के बिजली का बिल, तो कोई चावल, दाल, तेल आदि खाद्यान्न देकर हमारी मदद करते हैं।

इस संस्थान की चर्चा अंचल के गांवों में न केवल स्वादिष्ट एवं



सात्विक भोजन प्रदान करने जैसे पुनीत काम के लिए होती है, बल्कि खाद्यान्न की बर्बादी रोकने में संस्थान के प्रयासों की चर्चा एवं भूरी भूरी प्रशंसा होती है, इस प्रसादालय में भोजन झूठा छोड़ने वाले और नशा करने वालों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित है।

प्रोफेसर अग्रवाल ने इस संस्थान द्वारा भविष्य में किये जाने वाले सेवा कार्यों की योजना से अवगत कराया जिसमें :-

1. जरूरतमंद वृद्धजनों के घरों तक निःशुल्क टिफिन पहुंचाना।
2. कुपोषित गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार देना।
3. मरीजों के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस की व्यवस्था करना।
4. दुर्ग जिले में सेना एवं पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों को निःशुल्क भोजन पानी की व्यवस्था करना।
5. प्रदेश के अन्य जिलों के जिला अस्पतालों में श्री साईं महाप्रसादालय की स्थापना करना।

प्रोफेसर अग्रवाल ने संस्थान की ओर से उन सभी को साधुवाद दिया है, जिन्होंने तन-मन-धन से संस्थान को अपना सहयोग किया है तथा उन सभी से प्रार्थना की है जो संस्थान द्वारा भविष्य में प्रारंभ किया जा रहे कार्यों में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करना चाहते हैं।

इस हेतु संपर्क के लिए दूरभाष नंबर 9329007330  
एवं 9827464242 उपलब्ध कराया है।

# श्री साईं महाप्रसादालय की एक अभिनव पहल

## (बुजुर्गों के लिए निःशुल्क साईं टिफिन योजना)



श्री साईं सृष्टि जन कल्याण संस्थान द्वारा विजयादशमी के पर्व से अपनी निःशुल्क भोजन सेवा का विस्तार किया। श्री साईं महाप्रसादालय द्वारा अब दुर्ग शहर के जहरतमंद वृद्धजनों को साईं प्रसाद टिफिन के माध्यम से घर पहुंच कर दिया जायेगा, यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क एवं प्रतिदिन दोनों समय के भोजन के रूप में दी जाएगी। जहरतमंद वृद्धजन साईं महाप्रसादालय जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग में अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसकी सेवा शुरुवात की चुकी है।

विजयादशमी को आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक अरुण बोरा, विजय अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, आर.के. तिवारी, आर.के. वर्मा, राधेश्याम कीर्तुका एवं प्रो. जी.आर. साहू के साथ कई वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम के संबंध में संस्थान के वित्तीय प्रबंध का दायित्व संभाल रहे प्रो. डी.सी. अग्रवाल जी ने चर्चा के दौरान बताया कि यह संस्थान विगत सात वर्षों से जिला चिकित्सालय परिसर, दुर्ग में मरीजों के परिजनों को प्रतिदिन सुबह चाय-पोहा एवं दोनों समय निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा राजनांदगांव जिला अस्पताल एवं दुर्ग शहर में साईं भोजन रथ द्वारा जहरतमंदों का भोजन उपलब्ध कराने की सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक मुकेश तिवारी के निर्देशन में श्री साईं बाबा के मोक्ष दिवस विजयादशमी पर संस्थान एक अभिनव मानवीय पहल की है, इसके तहत ऐसे वृद्धजन जो विभिन्न कारणों से अकेले रहते हैं, भोजन बनाने में अशक्त हैं या आर्थिक कारणों से अपर्याप्त भोजन मिल रहा हो, ऐसे समस्त बुजुर्गों को उनके निवास पर साईं टिफिन के माध्यम से भोजन पहुंचा कर सेवा की जायेगी। यह भोजन पूर्णतः सालिक एवं सुपाच्य होगा तथा बुजुर्गों के स्वाद एवं स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए तैयार किया जायेगा। भोजन के अतिरिक्त

आवश्यकता होने पर फल एवं दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

संस्थान का लक्ष्य इस विजयादशमी को 11 टिफिन से आरंभ कर अगले विजयदशमी तक 111 टिफिन तक पहुंचाने का है। इस सेवा के निर्बाध संचालन हेतु जन सहयोग लिया जायेगा तथा जहरतमंदों तक पहुंचने के लिए पार्श्वदों, मितानिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागरिक संघ से जानकारीयां प्राप्त की जाएगी। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि इस पहल में हमारी प्राथमिकता निर्धन बुजुर्गों की सेवा होगी, संस्थान ने इस सेवा के लिए "जहरत" को मापदंड बनाया है न कि आर्थिक स्थिति को, अर्थात् बिना आर्थिक आधार के जहरतमंद बुजुर्गों को साईं टिफिन उपलब्ध कराया जायेगा, इस कार्य हेतु साईं सेवा सेवक कपिल जैन को समन्वयक बनाया गया है, वे बुजुर्गों के निवास में जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होंगे। इस सेवा का लाभ प्राप्त करने तथा पंजीयन हेतु मोबाईल. नं 9977295324, 9329007330, 9229162611, 9424109163 पर संपर्क किया जा सकता है। ●

### मीडिया वॉच

छत्तीसगढ़ आसपास देश की चर्चित प्रतिनिधि मासिक पत्रिका है। जो पत्रकारों के प्रतिनिधि मंच छत्तीसगढ़ के सहयोग से प्रकाशित है। मीडिया वॉच मूलतः कौंसिल का चर्चित स्तंभ है। इस स्तंभ में हम मीडिया वॉच के तहत उन समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के चुनिंदा लेख प्रकाशन सामग्री अपने छत्तीसगढ़ आसपास में साभार प्रकाशित करते हैं जो समाज को विशां देने व उनमें चेतना जागरण में सहायक होते हैं। इस बार हम लोक शिक्षक लोक जागरण के उद्देश्य से दैनिक भास्कर, हरि भूमि, पत्रिका, नव भारत, नई दुनिया से प्रकाशन सामग्री साभार प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रस्तुति छत्तीसगढ़ प्रेस कौंसिल छत्तीसगढ़

गणेश 7  
 ताला लगाकर  
 चोर ने सुने  
 उठाकर  
 मुमका सहित  
 रि कर फरार

**गवााकर**

नी अंतर्गत  
 ने घर में  
 शी कर ली.

क शो रुम  
 कुशी के  
 छासा नहीं

गयन  
 तथा है.  
 दर्शनगर

न 28  
 न  
 र अपने

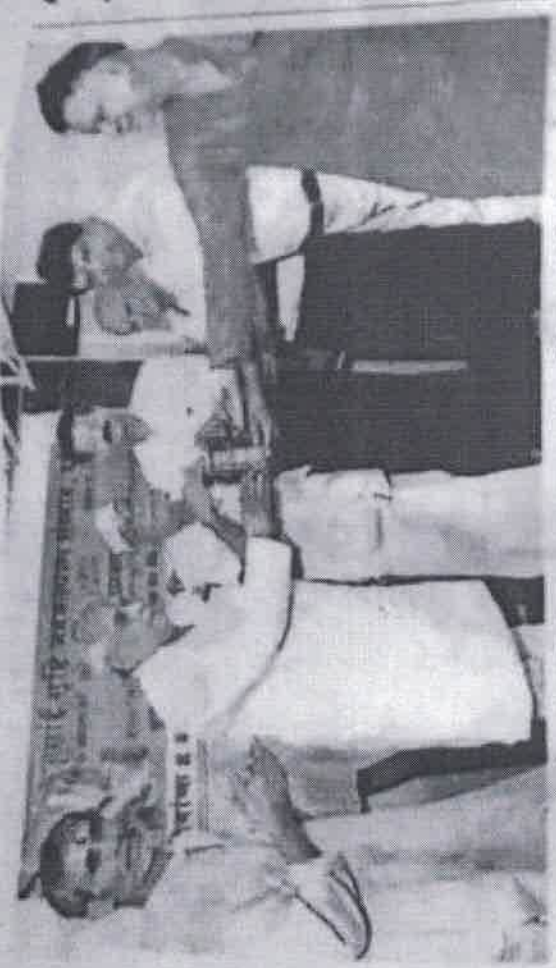
कमरे  
 जाकर  
 ते

# अथाक्त बुजुर्गों के लिए शुरू हुआ साईं भोजन रथ

**ऐसे वृद्धजन जो अकेले रहकर भोजन बनाने में असाहाय हैं उनके घरों में साईं प्रसाद टिफिन पहुंचेगा**

■ हमारे प्रतिनिधि। दुर्ग.

शहर के जिला अस्पताल में संचालित श्री साईं महाप्रसादालय ने विजयादशमी पर्व पर एक अभिनव पहल की शुरूआत की है. ऐसे वृद्धजन जो किन्हीं कारणों से अकेले रहते हैं और वे भोजन बनाने में अशक्त है या आर्थिक कारणों से उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है, इनके लिए घर पहुंच सेवा के तहत टिफिन पहुंचाने का जिम्मा साईं सृष्टि जनकल्याण संस्थान ने उठाया है. जरूरतमंद वृद्धजनों को संस्थान द्वारा निःशुल्क व प्रतिदिन दोनों समय भोजन प्रदान किया जाएगा. पहले दिन 11 टिफिन से इस सेवा की



बुजुर्ग को भोजन का टिफिन प्रदान कर शुरू किया साईं भोजन रथ सेवा

शुरूआत की गई. साईं सेवक व समन्वयक कपिल जैन बुजुर्गों के निवास स्थान पर जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होंगे.

संस्थान के कर्ताधर्ता व वित्तीय प्रबंध का दायित्व सम्भाल रहे प्रो. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि मार्गदर्शक मुकेश तिवारी के निर्देशन में श्री साईं बाबा के मोक्ष दिवस

विजयादशमी पर्व पर संस्थान द्वारा यह मानवीय सेवा प्रारंभ की गई. इस अवसर पर विधायक अरूण बोरा, विजय अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, आर.के. तिवारी, आर.के. वर्मा, राधेश्याम कीर्तुका, प्रो. जी.आर. साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे. वैसे इस संस्थान द्वारा पिछले 7 वर्षों से जिला ■ शेष पेज 6 पर

**'जरूरत' को बनाया मापदण्ड- अग्रवाल**

संस्थान के वित्तीय प्रबंधक प्रो. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि साईं भोजन रथ के जरिए निर्धन बुजुर्गों को टिफिन की सुविधा दी जाएगी. जिससे भोजन बुजुर्गों के स्वाद व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा. जरूरत पड़ने पर उन्हें फल व दवाईयां भी



निःशुल्क प्रदान की जाएगी. इस सेवा के लिए 'जरूरत' को मापदण्ड बनाया गया है, न कि आर्थिक स्थिति प्रो. अग्रवाल ने भविष्य की सेवा कार्यों के विस्तार के बारे में कहा कि जिले में सेना व पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान देश के कोने-कोने से आ हजारों अभ्यर्थियों को निःशुल्क भोजन पानी उपलब्ध कराने की योजना है.





अपना पुराना रूप शकिल कपुर जैन का अर्ध-वन्दन किया गया।

राहुल कपुर जैन ने कहा कि चरण स्पर्श बड़े पैमाने पर विशाल परिचार समूह के शिरो आशीर्वाद किया जाता है। इस कार्यक्रम में अमेरिका, यूरोप, आस्ट्री देशों सहित भारत के विभिन्न

वर्तमान परिषद में भी राष्ट्रीय प्राथमिक सिद्ध करने की बेजोड़ कोशिश शामिल है, चरण स्पर्श करने का विधान में उल्लान होने वाले सूक्ष्म संकेतों का वर्णन भी है इसके फलस्वरूप शरीर के भीतर रसायनिक प्रवाह जिसे हार्मोन्स कहा जाता है

पादभाला के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें सी.एम. भूपेय बघेल, मोतीलाल घोषा आदि के रूप में कार्यक्रम के हिस्सा होंगे, अथवा टीकम खलौड़ ने स्वागत भाषण एवं अंगुल खोला ने आभार ज्ञापित किया।

हिंदी के साथ-साथ दूसरे भाषा के हिन्दोभा अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शामिल, योजनाएं प्रायः में निर्धारित हिंदी के साथ-साथ हिन्दोभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्तर्गत साक्षात्कार सिद्ध होते हैं, इन्हीं कार्यक्रमों केन्द्र साईं न कौशल

अपनी कक्षाओं में प्रवेश करी प्रोफेस की विस्तृत जानकारी दी, डॉ. सुकुल से डून्, पतीषा प्रणाली में सर्वोच्च अन्तः प्रान्त उर्वरित शिक्षार्थियों ने पूछे, कार्यक्रम में डून् अख्यान केन्द्र की यहिह काठमांडू की संस्था नामों ने डून् पादचक्रों की संस्था बारीं



श्री प्रोफेसर जैन द्वारा कौशल में

## जिला अस्पताल स्थित श्री साईं महाप्रसादालय के वितीय प्रबंधन का निम्ना सभाले हुए हैं प्रोफेसर अग्रवाल

# प्रोफेसर अग्रवाल की सेवाभावी पहल से गरीबों को भर पेट भोजन

■ मध्यभारत समाचार । दुर्ग।

शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले गल्स कॉलेज दुर्ग के प्रोफेसर डॉ. डी.सी. अग्रवाल को नई सोच से गरीबों को भर पेट भोजन प्रदान कर रहा है. प्रोफेसर अग्रवाल की अनुकरणीय पहल से जिला अस्पताल स्थित श्री साईं महाप्रसादालय में रोजाना गरीब व जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन खिलाया जाता है. पिछले 6 वर्ष से यह सेवा लगातार जारी है. अब तक करीब 3 लाख लोग इस श्री साईं महाप्रसादालय में भोजन ग्रहण कर चुके हैं. प्रसादालय के प्रमुख संस्थापक मुकेश तिवारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यहाँ सब कुछ साईं बाबा के कृपा से होता है लेकिन बाबा के शिष्य मुकेश प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने वितीय भार उठाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है.



संस्थान में जरूरतमंदों को भोजन परोसते प्रोफेसर अग्रवाल.

18 जुलाई 1913 को साईं बाबा के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय परिसर दुर्ग में श्री साईं सुट्टि

जनकल्याण संस्थान ने सौमित्र शर्मा व संस्थानों से एक छोटे रूप में प्रसादालय प्रारंभ किया, मानव सेवा के उद्देश्य से

जब पहला चूल्हा साईं बाबा के नाम जला, तब केवल 5 लोगों ने भोजन ग्रहण किया था.

### संस्थापक निरुपस्थान से जुड़े

संस्थापक मुकेश तिवारी ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में प्रोफेसर अग्रवाल तला-मसल से जरूरतमंदों के लिए दानों के लिए दानों में जुड़े हैं. वे केवल साठवाली ही नहीं करते बल्कि अन्ये जगहों पर भी दानों, मिठों, कौशल के प्रायोजकों, शौचालयों के नार्मलियों, दुर्ग अस्पताल समान कौशल कई अन्य समाजसेवियों को इस संस्थापक के लिए अर्द्धक सहायता करने में प्रेरित करने भी करते हैं. जिससे संस्थान को आभार उचित रूप में देना है.

### भविष्य की योजनाएं

प्रोफेसर अग्रवाल ने बताया कि संस्थान बड़ा भोजना में किए जाने वाले सेवा कार्यों की योजनाएं देना की है, जिसमें जरूरतमंद पुरुषों के परी तक निःशुल्क डिजिटल एडिजिंग, सांस्कृतिक अभिवादी नौकरी आ सेवा करने को प्रोत्साहित करना, महिलाओं के लिए निःशुल्क एनर्जी से ही उपकरणों को करवाया, जिनसे न केवल व पुरुषों में भी परीक्षणों के दौरान उन्मोहकों को कि-गुल्लक भक्षण, पानी की उपस्था करवाया गया प्रोटेक्ट के अन्य विधियों के जिला अस्पताल में श्री साईं महाप्रसादालय की स्थापना करना प्रमुख काम रहे शामिल है.

संस्थापक मुकेश तिवारी का योजना करने की प्रतिबद्धता के साथ करना है कि यहाँ चिकित्सालय संस्थान का उन्नत हुआ. रोजाना 100 में भावों से आने वाले गरीब महिलाओं व से ज्यादा परीक्षण दोनों समान को बन व परीक्षणों को दोनों समय निःशुल्क नाराया ग्रहण करते हैं.

## बोना



दुर्ग, रा कन्व पुरवि कला गरी कर्वा कोन नई आ रेक परा

व्यवस्था है। यही वीएनएसएल के सहयोग से शहर के कुछ शौचालयों में लगाया गया है।

पटन का इस्तेमाल करन पर पता चल जाएगा कि शौचालय गंदा है, लेकिन ऐप ही बंद है।

(क्यालक) म आत्माक लाभ क लिए 21 नवंबर स चार 15न धार्मिक साधना का आयोजन किया गया है। यह 24 नवंबर तक चल यह जानकारी चरोदा चर्च के पुरोहित फादर जोस फिलिप ने दी।

अग्रवाल समाज के कार्यक्रम में गृहमंत्री ने प्रोफेसर अग्रवाल को किया सम्मानित

# खें बुजुर्गों को घर तक भोजन पहुंचाकर देते हैं प्रोफेसर अग्रवाल समाज के सहयोग से 400 गरीब छात्राओं की भी मदद की है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

दुर्ग अग्रवाल समाज के एक कार्यक्रम में प्रो. डीसी अग्रवाल को उनकी सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने सम्मानित किया। उन्होंने प्रो. अग्रवाल के सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनका काम दूसरों के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा कि प्रो. डीसी अग्रवाल 20 साल से लगातार समाज का निस्वार्थ भावना से सेवा करते हुए अग्रवाल समाज का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने अग्रवाल समाज व नगर की अन्य जरूरतमंद समाज सेवी संस्थाओं के बीच सेतु का कार्य किया है। एक ओर अग्रवाल समाज का मानव सेवा के कार्यों से जोड़ा है, वहीं दूसरी ओर जरूरतमंद संस्थानों को



मदद करने वाले कई हाथों का सहारा मिल गया। उन्होंने कहा कि अब तक शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की करीब 400 छात्राओं का प्रवेश व परीक्षा शुल्क अग्रवाल समाज द्वारा प्रदान की गई है। हर साल 5 प्रवीण्य छात्राओं को महाराजा अग्रसेन मेरिट अवार्ड से नवाजा जाता है। इस अवार्ड के तहत प्रत्येक छात्रा को प्रतीक चिन्ह, प्रशंसा पत्र और नगर 5100 रुपये की राशि प्रदान की किया जाता है। समाज के महासचिव ललित सक्सेरिया ने प्रो. अग्रवाल की प्रशंसा करते हुए कहा

कि उन्होंने अग्रवाल समाज दुर्ग को बहुआयामी सेवा संस्थान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। उन्होंने अग्रवाल समाज के अधिकांश अग्रजनों को साई प्रसादालय से जोड़कर मानव सेवा को समर्पित संस्थान को सहयोग करने का अवसर उपलब्ध कराया है। साई प्रसादालय पिछले 6 साल से मरीजों के परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध करा रहा है। साई रथ के माध्यम से जरूरतमंदों को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिर, मस्जिद के सामने जाकर

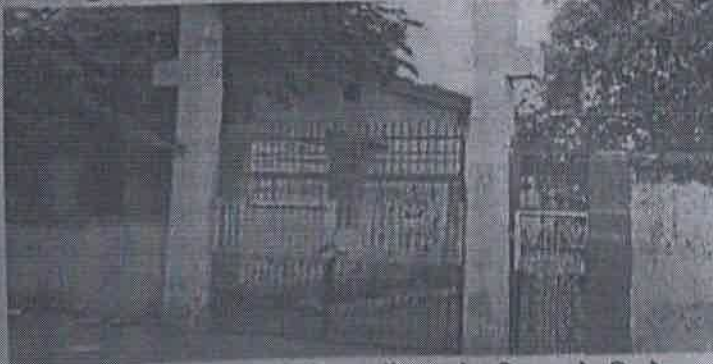
दोनों समय निशुल्क टिफिन उपलब्ध कराया जा रहा है। विजय अग्रवाल ने प्रो. अग्रवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज उनके साथ है और जैसी जरूरत होगी अग्रवाल समाज उनके माध्यम से सहयोग करने के लिए तत्पर है।

## प्रोफेसर अग्रवाल ने सेवा का संकल्प दोहराया

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि कई सेवा कार्यों में अग्रवाल समाज ने अग्रजन मदद कर रहे हैं। समाज ने विजय अग्रवाल, रेखचंद अग्रवाल, कमलनारायण रूंगटा, महें सक्सेरिया, राधेश्याम अग्रवाल, प्रो. अग्रवाल, राधेश्याम कीर्तुका, कैला रूंगटा, सत्यकाश बंसल, प्रेमन मित्तल, मुरारीलाल अग्रवाल, नत्थूलाल अग्रवाल समेत अग्रजनों के सहयोग से सेवा कार्य बेहतर तरीके से किया जा सका।

न राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने कहा

# 98 स्कूलों की होगी मरम्मत



प्रशिक्षण परिषद पी. दयानंद, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल श्रीके गोयल, विशेष सचिव स्कूल शिक्षा सौरभ कुमार, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

## पटवोत्रति से भरे जाएंगे

है। इसके लिए पटवोत्रति के नए नियमानुसार रोस्टर का पालन करते हुए डीईओ कार्यवाही की तैयारी कर लें। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने व्याख्याताओं के रिक्त पदों की जानकारी संपादकीय जेडी कार्यालय से 30 नवंबर तक मांगी है। इसके

# मुख्यमंत्री ने मुहिम को सराहा ओल्ड नेहरू नगर पार्क में 14 दिसंबर को होगा किंडरजाय



पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

भिलाई संस्था राउंड टेबल 14 दिसंबर को ओल्ड नेहरू नगर पार्क में किंडर जाय फेस्ट कराएगी। इस कार्यक्रम से मिलने वाले अनुदान से कोसा नगर स्थित माध्यमिक शाला में पाठशालाओं का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इस साल किंडरजाय

किताबों, बर्तन आदि उपयोग में आवाली वस्तुओं को जिले के गांवों जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा जाएगा। गौरतलब है कि भिलाई राउंड टेबल 243 में भिलाई-दुर्ग के युवा उद्यमी, शिक्षाविद अग्रवाल समाजसेवी प्रमुख रूप से जुड़े हुए भिलाई राउंड टेबल ने अब तक विभिन्न स्कूलों में 40 लाख

श्री डॉ. ले में गुजर बेहतर तरह रखने का है। जिला ठक में आवटित मे दर्ज मरत के करने, स्थूल

अच्छे गांधी जयंती के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा बोअरसी में स्थित जौन कार्यालय और पटरीपार में आदित्य श्वासन मुखमंत्रि वाई कार्यालय प्रारंभ के लिए अपना अर्थ अत्या प्रकार के कर्मों के लिए अपना आवेदन थे मुखमंत्रि वाई कार्यालय में दे सकते हैं।

उनकी समस्याओं का निराकरण

# सम्मान : सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने किया सम्मान

# अग्ररत्न सम्मान से नवाजे गए प्रोफेसर अग्रवाल

प्रवीण छात्राओं को महाराजा अग्रसेन मेरिट अवार्ड से भी नवाजा जाता रहा है. इस अवार्ड के अंतर्गत प्रत्येक छात्रा को प्रतीक चिन्ह, प्रशंसा पत्र एवं नगद 5100 रुपए की राशि प्रदान की जाती रही है.


महासचिव ललित सेक्सरिया ने कहा कि प्रो. अग्रवाल लंबे समय से अग्रवाल समाज दुर्ग को बहुआयामी सेवा संस्थान के रूप में विकसित करने का प्रयास करते रहे हैं. अपने सामाजिक दायरे से बाहर निकल कर अग्रवाल समाज आज नगर के अन्य समाजों एवं संस्थाओं को सहयोग करने के लिए तत्पर है. इस हेतु प्रो. अग्रवाल के प्रयास सराहनीय रहे हैं. इन्होंने अग्रवाल समाज के अधिकांश अग्रजनों को साई प्रसादालय से जोड़कर मानवीय सेवा को समर्पित एक संस्थान के संचालन में अग्रवाल

विगत दिनों अग्रवाल समाज के कार्यक्रम में प्रो. डी.सी. अग्रवाल को उनकी सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अग्ररत्न सम्मान से सम्मानित किया. इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने बताया कि प्रो. अग्रवाल पिछले 20 वर्षों से लगातार अग्रवाल समाज की निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं. इन्होंने अग्रवाल समाज एवं नगर की अन्य जरूरतमंद समाजसेवी संस्थानों के बीच एक पुल का कार्य किया है. विगत वर्षों में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की लगभग 400 छात्राओं को प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क की राशि अग्रवाल समाज द्वारा प्रदान की गई है. प्रतिवर्ष इसी महाविद्यालय की 5

जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन में सहयोग

साई प्रसादालय पिछले 6 वर्षों से मरीजों के परिजनों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराता रहा है. साई स्थ के माध्यम से भी जरूरतमंदों को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिर, मस्जिद के समीप जाकर दोनों समय निःशुल्क भोजन बाटा जा रहा है. हाल ही में नगर के बुजुर्गों को उनके निवास पर निःशुल्क साई डिफिन के माध्यम से दोनों समय का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है.

समाज को सहयोग करने का सुअवसर दिया.



**अग्रजनों का भरपूर सहयोग- प्रो. अग्रवाल**

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि नगर के कई सेवा कार्य में अग्रवाल समाज के कई अग्रजनों का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है. विजय अग्रवाल, रेखचंद अग्रवाल, कमल रंगटा, महेन्द्र सेक्सरिया, राधेश्याम अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, राधेश्याम कीर्तिका, प्रेमनाथ मित्तल, राधेश्याम गोयल, कैलाश रंगटा, सत्यप्रकाश बंसल, नच्युलाल अग्रवाल एवं मुरारी लाल अग्रवाल के प्रयासों से सेवा कार्य को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सका है.

## दीवार समाज के लिए भी प्रेरक

अग्ररत्न सम्मान से नवाजे जाने पर गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं विधायक अरूण बोरा ने उन्हें शुभकामनाएं दी और अग्रवाल समाज को प्रो. अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज इसी तरह समाज सेवकों के कार्य से जुड़े रहकर अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करेंगे. समाज के संरक्षक विजय अग्रवाल ने इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल को बधाई दी और आश्वस्त किया कि अग्रवाल समाज उनके साथ है और नका वेसी जरूरत होगी अग्रवाल समाज उनके माध्यम से सहयोग करने को तत्पर रहेगा.

विचारियों को नकारी सीजी प रही पास पड़ पक की सीर

न धनव के आ राजपूर, अनि ह, शंक के चौबे एम आर पैठारकर, धे.

**GOVT. DR. W.W. PATANKAR GIRLS PG COLLEGE  
DURG (C.G.)**



**REPORT ON**

**Impact of COVID-19 on Villages of  
Chhattisgarh**

(A Study done by Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' PG College, Durg)

**Submitted By**

**Dr. RESHMA LAKESH**

**Assistant Professor**

**Dept. of Home Science**

**GOVT. DR. W.W. PATANKAR GIRLS PG COLLEGE**

**DURG (C.G.)**

**GOVT. DR. W.W. PATANKAR GIRLS PG COLLEGE  
DURG (C.G.)**

**REPORT ON  
Impact of COVID-19 on Villages of Chhattisgarh  
(A Study done by Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' PG College, Durg)**

**INTRODUCTION –**

Across the world, humans are living through a period of extraordinary change under COVID-19. Coronavirus disease (COVID-19) is infection caused by a new strain of coronavirus, 'CO' stands for corona, 'V' for virus, 'I' for induced and 'D' for disease. Formerly, this disease was referred to as '2019 novel coronavirus' or '2019-nCov'.

Most people infected with the COVID-19 virus will experience mild to moderate respiratory illness and recover without requiring special treatment. Older people and those with underlying medical problems like cardiovascular disease, diabetes, chronic respiratory disease and cancer are more likely to develop serious illness.

The best way to prevent and slow down transmission is be well informed about the COVID-19 virus, the disease it causes and how it spreads. Protect yourself and others from infection by washing your hands or using an alcohol based rub frequently and not touching your face.

The COVID-19 virus spreads primarily through droplets of saliva or discharge from the nose when an infected person coughs or sneezes, so it's important that you also practice respiratory etiquette (for example, by coughing into a flexed elbow).

At this time, there are no specific vaccines or treatments for COVID-19. However there are many ongoing clinical trials evaluating potential treatments. WHO will continue to provide updated information as soon as clinical findings become available.

COVID-19 affects different people in different ways. Most infected people will develop mild to moderate illness and recover without hospitalization.

**MOST COMMON SYMPTOMS:**

- Fever
- Dry cough
- Tiredness

**LESS COMMON SYMPTOMS:**

- Aches and pains
- Sore throat
- Diarrhoea
- Conjunctivitis
- Headache
- Loss of taste or Smell
- A rash on skin, or discolouration of fingers or toes

**SERIES SYMPTOMS:**

- Difficulty breathing or shortness of breath
- Chest pain or pressure
- Loss of speech or movement

Seek immediate medical attention if you have serious symptoms. Always call before visiting your doctor or health facility. People with mild symptoms who are otherwise healthy should manage their symptoms at home. On average it takes 5-6 days from when someone is infected with the virus for symptoms to show, however it can take up to 14 days.

## **COVID -19 PANDEMIC**

The Covid-19 pandemic, also known as the coronavirus pandemic, is an ongoing global pandemic of coronavirus disease 2019 [COVID-19], caused by severe acute respiratory syndrome coronavirus 2 (SARS-Cov-2). The outbreak was first indentified in Wuhan Health Organization declared the outbreak a Public Health Emergency of Internatinal Concern on 30 January 2020, and a pandemic on 11 March. As of 26 June 2020, more than 9.6 million cases of COVID-19 have been reported in more than 188 countries and territories, resulting in more than 489,000 deaths; more than 4.8 million people have recovered.

## **SOCIAL DISTANCING**

Limiting face to face contact with others is the best way to reduce the spread of coronavirus disease 2019 (COVID-19). Social distancing, also called “Physical distancing,” means keeping space between yourself and other people outside of your home. To practice social or physical distancing an individual must stay at least 6 feet (about 2 arms’ length) from other people. In addition to everyday steps to prevent COVID-19, keeping space between you and others is one of the best tools we have to avoid being exposed to this virus and slowing its spread locally and across the country and world.

Limit close contact with others outside your household in indoor and outdoor spaces. Since people can spread the virus before they know they are sick, it is important to stay away from others when possible, even if you-or they-have no symptoms. Social distancing is especially important for people who are at higher risk for serve illness from COVID-10. Many people have personal circumstances or situatins that present challenges with practicing social distancing to prevent the spread of COVID-19. Please see the following guidance for additional recommendations and considerations for:

- Households Living in Close Quarters

- Living in Shared Housing
- People with Disabilities
- People Experience Homelessness

### **IF YOU HAVE BEEN EXPOSED OR ARE SICK**

- Separate from others to limit the spread of COVID-19
- Take care of yourself while you're sick

### **WHY PRACTICE SOCIAL DISTANCING**

COVID-19 spreads mainly among people who are in close contact (within about 6 feet) for a prolonged period. Spread happens when an infected person coughs, sneezes or talks and droplets from their mouth or nose are launched into the air and land in the mouths or noses of people nearby. The droplets can also be inhaled into the lungs. Recent studies indicate that people who are infected but do not have symptoms likely also play a role in the spread of COVID-19.

It may be possible that a person can get COVID-19 by touching a surface or object that has the virus on it and then touching their own mouth, nose or eyes. However, this is not thought to be the main way the virus spreads. COVID-19 can live for hours or days on a surface, depending on factors such as sunlight, humidity and the type of surface. Social distancing helps limit opportunities to come in contact with contaminated surfaces and infected people outside the home.

### **WHEN TO SEEK EMERGENCY MEDICAL ATTENTION**

Look for emergency warning sign\* for COVID-19. If someone is showing any of these signs, seek emergency medical care immediately

- Trouble breathing
- Persistent pain or pressure in the chest



- New confusion
- Inability to wake or stay awake
- Bluish lips or face

This list is not all possible symptoms. Please call your medical provider for any other symptoms that are severe or concerning to you.

### **PEOPLE WHO NEED EXTRA PRECAUTIONS**

- Racial & Ethnic Minority Groups
- People Experiencing Homelessness
- Pregnancy and Breastfeeding
- People with Disabilities
- People with Development and Behavioral Disorders

### **SUPPORTING THOSE NEEDING EXTRA PRECAUTIONS**

- Caring for People Disabilities
- Caring for People with Development and Behavioral Disorders
- Caregivers of People Living with Dements
- Nursing Homes and Long-Term Care Facilities

### **SELF QUARANTINE**

People who have been exposed to the new coronavirus and who are at risk for coming down with COVID-19 might practice self quarantine. Health experts recommend that self quarantine lasts 14 days. Two weeks provides enough time for them to know whether or not they will become ill and be contagious to other people.

You might be asked to practice self quarantine if you have recently returned from traveling to a part of the country or the world where COVID-19 is spreading rapidly, or if you have knowingly been exposed to an infected person. These zones are created to map the local transmission of the disease and prevent the contagion from spreading. They are identified by the Rapid Response Team (RRT) based on the extent of cases listed and mapped by them.

### **SELF QUARANTINE INVOLVES:**

- Using standard hygiene and washing hands frequently.
- Not sharing things like towels and utensils
- Staying at home
- Not having visitors
- Staying at least 6 feet away from other people in your household.

Once your quarantine period has ended, if you do not have symptoms follow your doctor's instructions on how to return to your normal routine.

### **ISOLATION**

For people who are confirmed to have COVID-19, isolation is appropriate. Isolation is a health care term that means keeping people who are infected with a contagious illness away from those who are not infected. Isolation can take place at home or at a hospital or care facility. Special personal protective equipment will be used to care for these patients in health care settings.

### **CONTAINMENT ZONE**

According to the Health Ministry, a containment zone refers to a specific geographical area where positive cases of coronavirus are found. Strict

movement restrictions are put in place in such areas to prevent further spread of the virus.

The cluster containment strategy would “include geographic quarantine, social distancing measures, enhanced active surveillance, testing all suspected cases, isolation of cases, quarantine of contacts and risk communication to create awareness among public on preventive public health measures”, the document stated.

“The perimeter control will ensure that there is no unchecked outward movement of population from the containment zone except for maintaining essential services (including medical emergencies) and government business continuity. Thermal screening, IEC shall be carried out at all entry and exit points.” read the ministry’s press release.

All vehicular movement, movement of public transport and personnel movement will be stopped. All roads including rural roads connecting the containment zone will be guarded by Police. For personnel and vehicles requiring regular movement, a pass/D card may be issued with details recorded and communicated”, It added.

## **CLUSTER CONTAINMENT**

The government has drawn out a containment plan as clusters posing high risk of further spread of COVID-19 cases have emerged in several states like Kerala, Maharashtra, Rajasthan, Uttar Pradesh, Punjab, Karnataka, Telangana as also Delhi and Ladakh. The cluster containment strategy would be to contain the disease within a defined geographic area by early detection of cases, breaking the chain of transmission and thus preventing its spread to new areas. Other examples of social and physical distancing that allow you to avoid larger crowds or crowded spaces are:

- Working from home instead of at the Office.
- Closing schools or switching to online classes

- Visiting loved ones by electronic devices instead of in person
- Cancelling or postponing conferences and large meetings.

Every confirmed case has to be considered as an epicenter and micro plan activities will need to be done. According to the ministry/ Identification of containment zone and restrictions imposed. The perimeters of the containment zone are decided based on the number of positive cases in the area. Contact tracing history and population density. The RRT demarcates the area of 3 kilometre radius around the epicenter (The residence of the positive case or where he has been isolated) in case contact listing and mapping takes than 24 hours. This area of 3 km. radius is the containment zone.

### **BUFFER ZONE**

The adjoining blocks of the affected district or rural districts of the affected city are known as buffer zones. A buffer zone of an additional 5 kilometre radius (7 Kms. in rural areas)/administrative boundry of including neighbouring districts/per-urban zone shall also be indentified, as detailed in the cluser containment plan. The containment zone will be divided into sectors with 50 houses each (30 houses in difficult areas),” the government’s release on the micro plan containing local coronavirus transmission read.

Moving forward, there is more uncertainty on the horizon .Trauma and upheaval are coming at us from all sides, and no one can predict when it will let up. It’s a lot of change to get used to, all at once and it’s not static. So, going forward, adaptability may be our best asset.

Our college is situated in the district of Chhattisgarh state which is in the beginning of COVID-19 was considered to be a safe /green zone. The State Government and Health Department were alert to take precautions and at the same time made sufficient arrangements for awareness, so it was found that not only the urban areas but rural areas took sufficient precautions. But due to the

comeback of migrant labourers the condition worsened, but this survey suggest that villagers are aware and efficient to take precautionary measures.

### **OBJECTIVES:**

1. To know the awareness levels in the village regarding COVID-19.
2. To reveal the methods observed by villagers to withstand various challenges posed by COVID-19.
3. To observe the best strategies adopted by village to combat the challenges posed by COVID-19.
4. To suggest various precautionary measures against COVID-19.

### **METHODOLOGY**

A Research Team was constituted under Youth Red Cross incharge, Dr. Reshma Lakesh, to facilitate the study.

For survey the non-teaching staff residing in the surveyed villages were made to do the survey work, by maintaining the government social distancing norms.

1. Shri Kamlesh Sahu - Data entry Operator
2. Shri Om Sahu - Data Entry Operator
3. Smt Kiran Sahu - Lab Attendent
4. Shri Dileshwar Deshmukh - Data Entry Operator
5. Shri Dushyant Sahu - Asstt Grade -III

## **DATA COLLECTION:**

Data collection was done through self- made questionnaire from families residing in villages situated around 25 - 30 kms from Durg, the district headquarter.

## **SAMPLE:**

50 families residing in following 05 villages were surveyed. One family of village head - Surpanch or Muncipal Corporator was also made to fill the queries, so that to know the responsibilities carried out by the leader in this time of pandemic.

<b>S.No.</b>	<b>Village name</b>	<b>Distance from Durg</b>	<b>Population</b>
1.	Beloudi	12Kms.	2208
2.	Urla (BMY)	37 Kms.	5000
3.	Karanja Bhilai	13 Kms.	817
4.	Purda	32 Kms.	2692
5.	Khamhariya	12 Kms.	1414

## **QUESTIONNAIRE:**

A self - made questionnaire, consisting of 30 questions was made, involving demographic, awareness, precautionary and treatment based information, according to guidelines given by UGC for COVID 19, for understanding and adaptability of the situation.

## RESULT ANALYSIS

Questions	Response	Frequency	Percent
Q1	Yes	50	100.0
Q2A	Yes	50	100.0
Q2B	Yes	50	100.0
Q2C	Yes	50	100.0
Q3	Yes	50	100.0
	No	10	20.0
Q4	Yes	40	80.0
Q5	Yes	50	100.0
Q6	Yes	50	100.0
	No	10	20.0
Q7	Yes	40	80.0
Q8	Yes	50	100.0
	No	10	20.0
Q9	Yes	40	80.0
Q10	Yes	50	100.0
	No	10	20.0
Q11	Yes	40	80.0
Q12	Yes	50	100.0
Q13	No	50	100.0
Q14	No	40	80.0
	Yes	10	20.0
Q15	No	40	80.0
	Yes	10	20.0
Q16	Yes	50	100.0
Q17	No	10	20.0
	Yes	40	80.0

Q18	No	10	20.0
	Yes	40	80.0
Q19	No	30	60.0
	Yes	20	40.0
Q20	No	50	100.0
Q21A	Yes	50	100.0
Q21B	Yes	50	100.0
Q22	Yes	50	100.0
Q23	No	40	80.0
	Yes	10	20.0
Q24	No	40	80.0
	Yes	10	20.0
Q25A	No	10	20.0
	Yes	40	80.0
Q25B	No	10	20.0
	Yes	40	80.0
Q26	No	10	20.0
	Yes	40	80.0
Q27	No	50	100.0
Q28	No	10	20.0
	Yes	40	80.0
Q29	Yes	50	100.0
Q30	No	10	20.0
	Yes	40	80.0



## **RESULT DISCRIPTION:**

The result analysis in table indicates that 100% participants responded “yes “for question 1 , 2 & 3a and 20% “no “to 3b.80 % “ yes “ to question 4. Again 100% responded “ yes” to question 5 and 6a and 20% “no”to 6b .100% responded “yes “ to question 7 and 8a , 20% “no” to 8b . 80% “yes” to question 9 and 100% “ yes” and 20% “no” to 10 a& b .About 80% “yes “ to question 11 and 100% “yes “to question 12& 13. But 80% reacted “yes” and 20% “no “to question 14 and 15 a & b respectively. Again 100% “yes” to question 16 and 20% “no “ ,80% “yes “to question 17&18 a&b.For question 19 a&b 60% “no and 40%”yes”. 100% reacted “no” for question 20, while 100%,”yes” to question 21a&b and 22. Around 80% said “no” and 20% “yes” for question 23 and 24 . And 20% in “no “ while 80% in “yes” for question 25 a&b and 26 a&b .While 100% “no ” to question 27. 20% in “no” and 80% in “yes “ participants responded for question 28 a&b .100% participants said “yes” for question 29 and 20% “no” and 80% “yes “ for question 30a&b .

## **DISCUSSION:**

Since the surveyed villages are within 25 to 30 km from Durg ,the district headquarters most of the villagers were aware of the Precautionary methods to be followed and so are still in the green zone although the main city Durg is in red zone the study revealed that the agrarian are aware of COVID-19 ,it causes , its outbreak and so followed all the required precautions like wearing masks ,washing hands with soap and water for 20 seconds ,using sanitisers ,physical distancing ,took required precautions for safety . All five villages had Corentine centres, medical centres and medical facilities.

***And NO CORONA POSITIVE was found in the surveyed villages.***

The study suggests that the leaders are found responsive to the corona view crisis and help people move through this critical period. The right engagement tactics can do wonders to shorten the duration and amplitude of the disruption, while giving people a bit of indirect control over the situation. The key is to engage people in the right way, at the right time, with the right information.

## REFERENCE –

1. COVID View, A weekly surveillance summary of U.S. COVID-19 Activity.
2. WHO, coronavirus Overview
3. Centre for disease control & Prevention, Daily life & Coping
4. [cdc.gov/coronavirus](https://www.cdc.gov/coronavirus)
5. COVID-19 Update, Johns Hopkins
6. Lisa Lockerd Maragakis, M.D., M.P.H., Coronavirus Social & Physical distancing and self Quarantine.
7. Peter Slagt, David Michels Melissa Burke, Coronavirus How to be the Leader your people Need Right now.



Durg

Date : 30.06.2020

Dr. RESHMA LAKESH  
Asstt. Professor  
Homescience  
Govt. Dr. W.W. Patankar Girls PG College  
Durg (C.G.)

## APPENDIX

### कोविड-19 ग्राम सर्वेक्षण (यूथ रेडक्रॉस इकाई)

ग्राम का नाम (दुर्ग जिला) : .....

- मुखिया का नाम : .....
  - पता : .....  
.....
  - मोबाईल नं. : .....
  - सदस्य संख्या : .....
- 

- (1) आपको कोरोना कोविड-19 के बारे में जानकारी है।      हाँ / नहीं
- (2) कोविड-19 के लक्षण क्या है?  
(1) बुखार – हाँ/नहीं    (2) सुखी खांसी – हाँ/ नहीं      (3) सांस न ले पाना – हाँ/नहीं
- (3) कोविड-19 एक संक्रमण है? हाँ / नहीं
- (4) कोविड-19 संक्रमण सर्वाधिक किसको प्रभावित करता है?  
(1) 10 साल से छोटे बच्चे      (2) 65 वर्ष के अधिक आयु के व्यक्ति  
(3) अन्य गंभीर रोग से प्रभावित व्यक्ति –मधुमेह, उच्च रक्तचाप (4) उपरोक्त सभी
- (5) यदि किसी व्यक्ति को सुखी खांसी बुखार या सांस लेने में कष्ट है उसे चिकित्सालय ले जाना चाहिए। हाँ/ नहीं
- (6) यदि आपके पड़ोस में कोई व्यक्ति किसी अन्य राज्य या स्थान से आया है तो उसे अपनी सूचना प्रशासन को देनी है। हाँ / नहीं
- (7) कोविड-19 हेल्प लाईन नंबर क्या है?  
(1) 102 (2) 108 (3) 104 (4) 110
- (8) यदि कोई व्यक्ति अन्य राज्य से यात्रा करके वापस अपना घर आया है तो क्या उसे अपने घर की बाहरी दिवार पर होम कोरोन्टाईन संबंधी स्टीकर चस्पा करना अनिवार्य है । हाँ / नहीं
- (9) यदि कोई व्यक्ति अत्यधिक कोविड संक्रमण से आपके गाँव या शहर में आया है तो उसे कहाँ रहना होगा –  
(1) होम कोरोन्टाईन      (2) शासकीय कोरोन्टाईन  
(3) कोविड केयर      (4) आइसोलेशन वार्ड (अस्पताल)

- (10) कोविड-19 से संबंधी RTPCR जांच के बारे में आपको जानकारी है? हाँ/नहीं।
- (11) क्या कोविड-19 की जांच खून के नमूने से की जा सकती है? हाँ/नहीं
- (12) आपको कोविड-19 के कंटेनमेन्ट जोन (Containment zone) के बारे में जानकारी है? हाँ/नहीं
- (13) कंटेनमेन्ट जोन (Containment zone) में क्या आम व्यक्ति आपस में एक-दूसरे से मिल-जूल सकते हैं। हाँ/नहीं
- (14) क्या कोविड-19 की दवा/वैक्सीन उपलब्ध है। हाँ/नहीं
- (15) क्या कोविड-19 का इलाज संभव है? हाँ/नहीं/अनिश्चित
- (16) कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना है? हाँ/नहीं
- (17) कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति का इलाज किया जाता है?  
(1) दवाईयों के द्वारा (2) प्लाज्मा थेरेपी (3) उपरोक्त दोनों (4) इनमें से कोई नहीं
- (18) क्या आपने आरोग्य ऐप डाऊनलोड किया है? हाँ/नहीं
- (19) क्या तुलसी, गिलोय, अवश्वगंधा द्वारा निर्मित काढ़ा का आप प्रयोग करते हैं? हाँ/नहीं
- (20) क्या आपके आस-पास कोई कोरोना पीड़ित व्यक्ति है। हाँ / नहीं
- (21) इस बीमारी से बचाव हेतु क्या आप निम्न उपाय करते हैं :-  
(1) मास्क का उपयोग - हाँ / नहीं  
(2) साबून/ सेनिटाईजर से 20 सेकण्ड तक हाथ धोना - हाँ / नहीं
- (22) 3 मीटर की शारीरिक दूरी - हाँ / नहीं
- (23) सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित न होना - हाँ / नहीं
- (24) धार्मिक स्थलों न जाना। - हाँ / नहीं
- (25) आपके गाँव में प्रवासी श्रमिकों हेतु क्या उचित व्यवस्था एवं उसका पालन है -  
(1) क्वारण्टाईन सेंटर - हाँ / नहीं (2) स्वास्थ्य सेवायें - हाँ / नहीं
- (26) समस्त ग्रामीणों हेतु क्या सुरक्षात्मक उपाय किये गये हैं - हाँ / नहीं
- (27) आपके ग्राम में कोरोना पीड़ित व्यक्ति है - हाँ / नहीं
- (28) कोविड-19 संक्रमण के कारण क्या आप शारीरिक एवं मानसिक असुरक्षा का अनुभव कर रहे हैं। हाँ / नहीं
- (29) कोविड-19 संक्रमण के कारण क्या आप आर्थिक असुरक्षा का अनुभव कर रहे हैं। हाँ / नहीं
- (30) कोविड-19 संक्रमण कैसे फैलता है।

.....  
.....